नईदुनिया

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। ट्रंप प्रशासन के साथ मस्क की भागीदारी के कारण ऐसा संभव है।

रिपोर्टों के मुताबिक ईवी कंपनी की बिक्री और मुनाफे में गिरावट देखी गई है, जबकि अमेरिका की सरकारी एजेंसी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में मस्क की भूमिका को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड के सदस्य ने मस्क से मुलाकात की और उनसे कंपनी को अधिक समय देने के लिए आग्रह भी किया। मस्क ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह ट्रंप प्रशासन को दिए जाने वाले समय में कटौती करेंगे और अपनी कई कंपनियों को चलाने पर ध्यान देंगे। संघीय रोजगार को कम करने के लिए बनाई गई संस्था सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका ने निवेशकों की आलोचना की है। बता दें सरकारी दक्षता विभाग दूसरे ट्रम्प प्रशासन द्वारा संघीय खर्च में कटौती करने की पहल है। यह डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क के बीच चर्चा से उभरा, और 20 जनवरी, 2025 को एक कार्यकारी आदेश द्वारा स्थापित किया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में गिरावट, इकानॉमी में गिरावट से मंदी की आहट

नई दिल्ली। अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह तीन सालों में पहली बार है जब अमेरिका की आर्थिक स्थिति में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को इसकी प्रमुख वजह मानी जा रही है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के अनुसार पिछली तिमाही में जीडीपी में 0.3 फीसदी की सालाना गिरावट आई थी। मार्च में माल के व्यापार घाटे के चलते भारी आयात होने से अर्थशास्त्रियों ने अपने जीडीपी के अनुमान घटा दिए हैं। अमेरिकी आयात में पहली तिमाही में तेजी आई है, जो ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए अमेरिकी कंपनियों ने की गई। चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ी थी, लेकिन पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट से बाजार में सतर्कता बढ़ी है। ट्रंप के फिसलने वाले अर्थनीतिक कदमों और चीन के साथ चरमपंथी ट्रेड वॉर के मद्देनजर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई बढ़ने और मंदी आने की आशंका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस ठीक करने का प्रयास किया है, लेकिन भावुकता बाजार की स्थिति में गहराई बढ़ गई है ।

बॉलीवुड स्टार्स और क्रिकेटर्स ने प्री-आईपीओ में किया निवेश

मुंबई। करमतारा इंजीनियरिंग, रिन्यूबल एनर्जी और ट्रांसमिशन सेक्टर्स के प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी ने प्री-आईपीओ राउंड में धमाकेदार निवेश किया है। इस इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा जारी किए गए समाचार के मुताबिक, बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने 5 करोड़ रुपये का निवेश करके 1,61,300 शेयर खरीदे हैं। आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर ने भी निवेश करने का फैसला लिया आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर भी इस आईपीओ में शामिल होकर निवेश करने का फैसला लिया है। साथ ही कंपनी के प्रमोटर्स तनवीर सिंह और राजीव सिंह ने 310 रुपये प्रति शेयर के दाम पर 34,09,724 इक्विटी शेयर ट्रांसफर किए हैं। इस मामूली तिथिक पेपर से कंपनी को 106 करोड़ रुपये की वैल्यू मिली है। करमतारा इंजीनियरिंग ने जनवरी में बाजार नियामक सेबी के पास प्रीलिमनेरी पेपर्स जमा करके आईपीओ के जरिए 1750 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मांगी है। इस आईपीओ में 1350 करोड़ रुपये के शेयरों का फ्रेश इश्यू और 400 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल होगा। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 102.65 करोड़ रुपये का बाद टैक्स मुनाफा हुआ था। आईपीओ के ड्राफ्ट पेपर्स में कंपनी ने बताया है कि वह विंड एनर्जी सेक्टर में उतर रही है और एक मूलांकन प्लांट लगा रही है।

एटीएम से पैसे निकालना हुआ महंगा, एक महीने में सीमित ट्रांजैक्शन फ्री

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 मई से लागू होने वाले नए एटीएम दिशा-निर्देशों

की घोषणा की है, जिनके तहत एटीएम से पैसे निकालना अब पहले से महंगा हो गया है। नए नियमों के अनुसार, ग्राहकों को हर महीने केवल कुछ फ्री ट्रांजैक्शन की सुविधा मिलेगी, जिससे अतिरिक्त शुल्क से बचने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नए दिशा-निर्देशों के पालन में कई बड़े बैंकों ने अपने नियमों में बदलाव किए हैं, जिससे ग्राहकों को ध्यान देना होगा। यदि कोई ग्राहक तय सीमा से अधिक बार एटीएम का उपयोग करता है, तो उसे हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर 23 देने होंगे। पहले यह शुल्क 21 था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ऑटो टैरिफ वॉर कहीं तोड़ ना दें भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री की कमर

नई दिल्ली

भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री को अमेरिका के नए टैरिफ नियमों से बड़ा झटका लग सकता है, इससे न केवल कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होगा, बल्कि रोजगार, निवेश और 'मेक इन इंडिया' अभियान पर भी असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के अनुसार, अमेरिका द्वारा इंजन, पावरट्रेन और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स जैसे प्रमुख उत्पादों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारतीय निर्यातकों के ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 10 से 15 फीसदी की गिरावट हो सकती है।

वहीं, पूरी इंडस्ट्री के कुल मुनाफे पर 3 से 6 फीसदी तक का असर होगा। इससे वित्त वर्ष 2026 में ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री की रेवेन्यू ग्रोथ घटकर 6-8 फीसदी रह सकती है, जबकि पहले इसका अनुमान 8-10 फीसदी था। भले ही भारत का घरेलू बाजार इस इंडस्ट्री की रीढ़ हो, लेकिन अमेरिका ऑटो पार्ट्स के लिए एक बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2024 में 46 प्रमुख निर्यातकों का कुल राजस्व 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा था, इसमें अमेरिकी हिस्सेदारी 8 फीसदी रही। बीते पांच वर्षों में अमेरिका को निर्यात औसतन 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार नए टैरिफ से पूरी सप्लाई चेन पर 9,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। कंपनियां लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने की कोशिश करेंगी, लेकिन उनकी सौदेबाजी की क्षमता और बाजार में प्रतिस्पर्धा तय करेगी कि यह कितना संभव हो पाएगा।

यदि भारतीय कंपनियों को 30 से 50 प्रतिशत लागत खुद वहन करनी पड़ी, तब उनका मुनाफा 1.5 से 2.5 फीसदी तक कम हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिशिगन दौरे के दौरान कुछ राहत देने संबंधी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अमेरिकी कार निर्माताओं को अस्थायी छूट मिलेगी। इसके बावजूद इंडस्ट्री और वैश्विक साझेदारों में व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। चीन पर भी इसतरह के टैरिफ लागू किए गए हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक फायदा मिल सकता है। वहीं, कुछ कंपनियों को अमेरिकी खरीदारों से नए ऑर्डर के बारे में पूछताछ मिल रही है, जिससे हल्की राहत की उम्मीद बनी है।

हालांकि, 3 मई 2025 से लागू होने वाले इन टैरिफ का असर भारत के 65 फीसदी ऑटो कंपोनेंट निर्यात पर पड़ेगा। इससे पहले अमेरिका ने मार्च 2025 में स्टील और एल्युमिनियम पर भी शुल्क बढ़ाया था, जिसके जवाब में भारत ने अमेरिकी गाड़ियों पर 26 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया है।

ओप्पो रेनो 14 सीरिज को लांच करने की तैयारी

मुंबई। ओप्पो अपनी नई स्मार्टफोन सीरीज, ओप्पो रेना 14 सीरिज को लांच करने की तैयारी की है। हालांकि कंपनी ने अभी तक लांच डेट की पुष्टि नहीं की है, लेकिन अपकमिंग सीरीज के बेस मॉडल ओप्पो रेनो 14 के पहले फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। फोटोज के अनुसार, ओप्पो रेनो 14 में ब्रैंड-न्यू कैनन-स्टाइल कैमरा सेटअप दिया जाएगा, जिसे कोल्ड-कार्विंग टेक्नोलॉजी से तैयार किया है। यह डिज़ाइन लार्ज आर-ऐंगल और एल्युमिनियम अलॉय साइड फ्रेम के साथ होगा, जिससे फोन का लुक आईफोन जैसा प्रतीत होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेनो 14 का टेक्सचर और फिनिश इतना रिफाइंड है कि यह एक झटके में आईफोन जैसा दिखाई देता है। हालांकि, फोन के फ्रंट लुक की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन संभावना है कि फोन को फ्लैट डिस्प्ले के साथ लांच किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फोन में 6.59 इंच का ओलेड एलटीपीएस डिस्प्ले होगा, जो 1.5के रेजॉलूशन और 120 एचजेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट दिया जाएगा। फोटोग्राफी के लिए रियर में एलईडी फ्लैश के साथ तीन कैमरे होंगे, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा और 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो लेंस शामिल होगा। ओप्पो रेनो 14 में 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होगा और इस 6000 एमएएच की बैटरी से पावर मिलेगा, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

मल्टी एसेट म्युचुअल फंड्स को मार्च 2025 में मिला ज्यादा निवेश

नई दिल्ली

मार्च 2025 में एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने दर्ज किया है कि हाइब्रिड कैटेगरी में इस महीने सबसे ज्यादा निवेश किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, मल्टी एसेट फंड्स में पिछले महीने हुए कुल नेट इन्वेस्टमेंट का लगभग 74 फीसी हिस्सा हाइब्रिड कैटेगरी में गया है। इसके साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब डेट फंड्स की तुलना में इक्विटी या मल्टी एसेट फंड्स में ज्यादा है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की व्हेयर द मनी फ्लोज़ रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में कुल मिलाकर लगभग 25,000 करोड़ का

डेट फंड्स से 1.10 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी

नेट निवेश हुआ है। पैसिव फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, जबकि एक्टिव फंड्स से निकासी हुई है। डेट फंड्स से इस दौरान भी भारी निकासी हुई है। इस दौरान, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 73 नई स्कीमें लॉन्च कीं और इनमें कुल 13,067 करोड़ जुटाए गए हैं। कंपनी ने कहा कि मार्च 2025 में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 65.74 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे फाइनेंशियल एसेट्स की ओर शिफ्ट हो रही है और निवेशकों का विश्वास म्युचुअल फंड प्रोडक्ट्स में बढ़ रहा है।

रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करेगी अमूल डेयरी

नई दिल्ली। अमूल अब डेयरी से बाहर निकलकर अपने एफएमसीजी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने जा रहा है। कंपनी ऑर्गेनिक चाय, चीनी और मसालों जैसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अमूल अब भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बन चुकी है, जिसका टर्नओवर इसके सबसे नजदीकी मल्टीनेशनल प्रतिद्वंद्वी से 10 फीसदी ज्यादा है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 26 के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का टर्नओवर छूने का है। अमूल न सिर्फ घरेलू बाजार में बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी तेजी से अपने पांव पसार रहा है।

वनप्लस ने लॉन्च किए वनप्लस13टी

वनप्लस ने हाल ही में अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को लॉन्च किया है और इसके बाद कंपनी के चाइना प्रेसिडेंट ली जी ने एक इंटरव्यू में बताया कि वनप्लस जल्द ही मई में एसीई ब्रैंड के नए डिवाइसेज पेश करने वाला है। इन डिवाइसेज में वनप्लस एसीई 5एस/वनप्लस एसीई 5 सुप्रीम एडीशन और रासिंग एडीशन शामिल हो सकते हैं। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन के मुताबिक, एस 5 रेसिंग एडिशन स्मार्टफोन में डाइमेंसिटी 9400द्व चिपसेट होगा, जो डाइमेंसिटी 9300+ का अपग्रेड वर्जन होगा और परफॉर्मेंस में स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 से भी बेहतर हो सकता है। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार, एस 5 रेसिंग एडिशन में 6.77 इंच का ओएलईडी एलटेप्स फ्लैट डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल का ड्यूल रियर कैमरा सेटअप और 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा हो सकता है। यह स्मार्टफोन 7000एमएएच बैटरी और 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आ सकता है, जो इसे यूजर्स के लिए एक बेहतरीन गेमिंग और उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगा।

टाटा मोटर्स हैचबैक अल्ट्रोज के फेसलिफ्ट वर्जन उतारने को तैयार

मुंबई

टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज का फेसलिफ्ट वर्जन 21 मई 2025 को लांच होगी है। यह बदलाव अल्ट्रोज के लिए अब तक का सबसे बड़ा अपडेट है, इस पहली बार जनवरी 2020 में लांच किया गया था। टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि नई अल्ट्रोज में फ्रंट बंपर को और अधिक शार्प डिज़ाइन के साथ आएगी।

इसमें ड्यूल-पॉड एलईडी हेडलैम्प्स, नए एलईडी फॉग लैंप्स और सेगमेंट में पहली बार फ्लश-टाइप डोर हैंडल्स देखने को मिल सकते है।

पीछे की ओर नई एलईडी टेललाइट्स और री-डिज़ाइन किया गया बंपर कार को और अधिक शानदार लुक देते हैं। इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव हुआ है, इसमें 10.25 इंच का नया टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा, जो नेक्सान की तरह वायरलेस कनेक्टिविटी और आईआरए टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इसके अलावा, इल्युमिनेटेड स्टीयरिंग व्हील और नया अपहोल्स्ट्री डिज़ाइन दिखेगा। सुरक्षा के हिसाब से फेसलिफ्टेड अल्ट्रोज़ में छह एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा और आईएसओएफआईएक्स चाइल्ड सीट एंकर जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड रहने वाले है। साथ ही, इसमें एडीएएस जैसे लेन डिपार्चर वार्निंग जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं। इंजन मौजूदा पेट्रोल, टर्बो पेट्रोल, डीज़ल और सीएनजी वेरिएंट बरकरार रहेगा। अल्ट्रोज़ की 5-स्टार एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाए रखेगी।

सस्ता हुआ कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, 14.2 किलो वाले रसोई गैस के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर को सस्ता कर दिया। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के गैस सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गैस की कीमत तय करने के लिए हर महीने की शुरुआत में होने वाले रिवीजन के बाद कॉमर्शियल गैस की कीमतों में 14.50 रुपये से लेकर 17 रुपये प्रति सिलेंडर तक की कमी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने लगातार दूसरे महीने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की है।

कीमत में की गई कटौती के बाद अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के लिए 1,747.50 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा, जबकि अप्रैल के महीने में इस सिलेंडर के लिए 1,762 रुपये और उसके पहले मार्च के महीने में 1,803 रुपये का भुगतान करना पड़ता था। इस तरह पिछले दो महीने में 19 किलो वाले एलपीजी गैस सिलेंडर

के दाम में 55.50 रुपये की और एक महीने में 14.50 रुपये की कटौती हुई है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में की गई कटौती के बाद अब कोलकाता में इसकी कीमत 1,868.50 रुपये से घट कर 1,851.50 रुपये हो गई है। इसी तरह मुंबई में से ये सिलेंडर 1,713.50 रुपये की जगह 1,699 रुपये के भाव पर मिल रहा है। वहीं चेन्नई में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1,921.50 रुपये से कम होकर 1,906 रुपये हो गई है।

डिविडेंड की घोषणा कर सकती हैं तीन कंपनियां, लिस्ट में अदाणी की कंपनी भी शामिल

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया और स्पोर्टकिंग इंडिया गुरुवार को मार्च तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा कर सकती है। अदाणी ग्रुप की इन कंपनियों में डिविडेंड पर होने वाली बैठक के दौरान 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के लिए ऑडिटेड रिजल्ट्स की समीक्षा होगी। इसके अलावा, इक्विटी शेयरों पर डिविडेंड की सिफारिश पर भी विचार किया जाएगा।स्पोर्टकिंग इंडिया लिमिटेड और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया भी अपनी बैठकों में डिविडेंड की सिफारिश पर मंजूरी देने की संभावना है7साथ ही, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया ने अपनी कारोबारी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी कर फंड जुटाने की संभावना भी जताई है।इन संकेतों के साथ ही, बाजार में बड़ी उलझन और संवेदना भी दिखाई दे रही है, जो इन कंपनियों के प्रमुख निर्णयों पर भी प्रभाव डाल सकती है।